सं क्रो॰ वि॰/गुट्गांव/120-85/32727.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये हैं कि प्रशासक, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, सैक्टर 4, गृहगांव के श्रीमक श्री रत्न सिंह, पुत्र श्री रखा मार्फत मर्जनटाईल एसोसिएशन, एच-347, न्यु राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली, 110060 तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विधाद है;

भीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेत् निर्दिष्ट करना बांछनीय समझने हैं ;

इसलिये, श्रव, श्रौद्योगिक विवाद श्रिष्ठिनियम, 1947 की घारा 10 की उप-धारा (1) के धण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई प्रक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त भिधितयम की घारा 7-क के भिधीन गठित श्रीद्योगिक श्रिष्ठिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रीमक के बीच या तो विवाद-ग्रम्म मामना/मामने हैं, श्रवता विवाद में मुनंगन या संबंधिन मामना/मामने हैं न्यायनिर्गय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :--

क्या श्री रत्न सिंह की सेवा समाप्ति/छंटनी न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?
संख्या ग्रो० वि०/गृड़गांव/115-85/32734.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० प्रशासक, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, सैक्टर 4, गुड़गांव के श्रमिक श्री विजय पाल सिंह, पूज श्री राम दत सिंह मार्फत मर्कनटाईल इम्पलाईज एसोसिएजन, एच-347, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-110060 तथा प्रदन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यवाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रब, ग्रौबोगिक विवाद ग्रीधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के धण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई धिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त ग्रीधिनियम की धारा 7-क के ग्रीधीन गठित ग्रौधोगिक ग्रीध-करण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे दिनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विदादग्रस्त मामला/मामले है ग्रथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला/मामले है न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :---

क्या श्री दिजय पाल सिंह की सेवा समाप्ति/छंटनी न्यायोपित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो यह किस राहत का हकदार है?

सं० मो० थि०/गुड़गांव/124-85/32741.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै० प्रशासक, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, सैक्टर 4, गुड़गांव के धामक श्री रतन लाल, पुत्र श्री बुधला मार्फत मर्कनटाईल इम्पलाईज एसोसिएशन, एवर्स 347, स्यू राजेन्द्र नगर, नई विल्ली-110060 तथा प्रयन्धकों के मध्य इसमें इसके ्वाद लिखित मामले के सम्यन्त्र में कोई मौद्रोगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, मद, भौद्योगिक विदाद मधिनियम , 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के राण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त मधिनियम की धारा 7-क के मधीन गठित भौद्योगिक भिवकरण, हरियाणा, फरोदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामना जो कि उक्त प्रबन्धकों नथा श्रमिक के बीच या तो दियादग्रस्त मामला/मामले है अथवा विदाद से सुसंगत या संबंधित मामना/मामले है न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं।

क्या श्री रत्न लाल की सेवा समाप्ति छंटनी न्यायोजित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह जिस राहत का हकदार है?

संव ग्रोव विव/गुड़गांव/123-85/32749. —चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये हैं कि मैंव प्रशासक, हरियाणा शहर विवास प्राजिकरण, सैक्टर 4, गुड़गांव, के धनिक श्री साहब राम, पुत्र थी राम सिंह मार्फत मर्फनटाईन उम्पलाईन एसोसिएधन, एच-347. न्यु राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-110060 क्या प्रवन्धकों के मध्य इस में इस के बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीजीगिक विवाद है;

ग्रीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल इस दियाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बाछनीय समझते हैं ;

इसिलये. ग्रव, ग्रौद्योगिक दिवाद ग्रिवितियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के राष्ट्र (घ) द्वारा प्रधान की गर्द शिवतियों का प्रयोग करते हुंये हरियाणा के राज्यसल इस में द्वारा उक्त ग्रिधितियम की धारा 7-क के ग्रिधीन गठित भ्रौद्योगिक ग्रिकिरण, हरियाणा, करोदावाद को नोवे विनि देश मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमक के बीच या तो विधादग्रस्त सामला/मामले हैं प्रथवा विश्वाद से सुसंगत या संबन्धित प्रामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतू निर्दिष्ट करते हैं :—

अया श्री साहब राम की सेवा समाप्ति छंटनी न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?